<u>प्रारंभिक संबोधन</u>

सत्र - 180

3 अगस्त, 2015

माननीय नेता, सत्तारूढ़ दल

माननीय नेता, विरोधी दल

मंत्रिपरिषद् के माननीय सदस्यगण

बिहार विधान परिषद् के माननीय सदस्यगण

बिहार विधान परिषद् का 180वां सत्र प्रारंभ हो रहा है। इस अवसर पर मैं माननीय मुख्यमंत्री, माननीय संसदीय कार्य मंत्री एवं मंत्रिपरिषद् के माननीय सदस्यों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करता हूं। बिहार विधान परिषद् के माननीय नेता-- विरोधी दल, विभिन्न दलों के माननीय नेतागण, माननीय सचेतकगण तथा इस सदन में उपस्थित सभी माननीय सदस्यों का मैं हार्दिक स्वागत करता हूं, साथ ही, लोकतंत्र के प्रहरी प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया के पत्रकार-छायाकार बंधुओं का भी स्वागत करता हूं।

27 जुलाई, 2015 को भारत के पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम के असामयिक निधन से हम सभी मर्माहत एवं शोकाकुल हैं। स्वर्गीय कलाम एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक, दार्शनिक, कर्मयोगी एवं सशक्त भारत निर्माण के मार्गदर्शक थे। छात्रों एवं युवाओं के वे आदर्श थे। बिहार से उनका विशेष लगाव एवं प्रेम था; खासकर माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी से। संसदीय परम्पराओं के निर्वहन एवं उसके मूल्यों पर आधारित राजनीति और सदन में पक्ष-विपक्ष द्वारा सकारात्मक बहस की सार्थकता के लिए वे सदैव इच्छुक रहते थे। उनका आकस्मिक निधन संपूर्ण देश के लिए आघात तो है ही, बिहार के लिए भी अपूरणीय क्षति है। सदन की ओर से हम सभी उनकी स्मृति को नमन करते हैं।

अवधेश नारायण सिंह

सभापति

बिहार विधान परिषद्

बिहार विधान परिषद् का यह सत्र कुल पांच बैठकों का है। आशा है, माननीय सदस्यगण समय का सदुपयोग करते हुए राज्यहित के महत्वपूर्ण विषयों से संबंधित वाद-विवाद पर सकारात्मक चर्चा करेंगे।

मैं इस सदन में सभी माननीय सदस्यों का स्वागत करता हूं; विशेष कर स्थानीय निकाय चुनाव से निर्वाचित होकर आए माननीय सदस्यगण का। निर्वाचित सदस्यों में कुछ पुराने साथी भी हैं, जो पुन: निर्वाचित होकर सदन पहुंचे हैं। यह हर्ष का विषय है। नव निर्वाचित सभी माननीय सदस्यों को पूरे सदन की ओर से मैं बधाई देता हूं।

इस सदन में माननीय सदस्यों द्वारा हमेशा संसदीय परम्पराओं का गरिमापूर्वक सम्मान एवं निर्वहन किया गया है। सभी माननीय सदस्यों को अपनी राय व्यक्त करने के पर्याप्त अवसर मिलते रहे हैं। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि सदन संचालन में विभिन्न राजनीतिक दलों के सभी माननीय सदस्यों से संसदीय गरिमा के तहत मुझे हमेशा सहयोग मिलता रहा है।

पिछले सत्रों की तरह इस सत्र में भी माननीय सदस्यगण, परिषद् सचिवालय के पदाधिकारी-कर्मचारीगण तथा मीडिया के प्रतिनिधियों से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा रखता हूं।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं एक बार फिर आप सभी का स्वागत करता हूं।

धन्यवाद ।

अवधेश नारायण सिंह

3 अगस्त, 2015